Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In December 2015

पूर्व छात्रों को सम्मान देगा गुजविवि

फैकल्टी हाऊस के कमरे व लाइब्रेरी समेत अनेक रियायती सुविधाएं मिलेंगी

■ वी.सी. टंकेश्वर ने एसोसिएशन के गठन के लिए बुलाई मीटिंग

हिसार, 3 दिसम्बर (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय अपने पूर्व छात्रों को एक मंच पर इकट्ठा करने की कवायद में जुट गया है। वी.सी. प्रो. टंकेश्वर कुमार के प्रयासों से अब तक एक मीटिंग इस बारे हो चुकी है और अब सब कमेटी के गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण है। सब कुछ ठीक रहा तो गुजविवि प्रशासन अपने पूर्व छात्रों को संगठित करने के बाद विवि प्रशासन उन्हें विशेष सुविधाएं भी देगा।

इसके तहत उन्हें अपने मेहमानों के लिए फैकल्टी हाऊस में रियायती दामों पर कमरे उपलब्ध होने के साथ लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध करवाएगी।

वी.सी. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस बारे में आवश्यक निर्देश उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को दिए हैं। इसके लिए पूर्व छात्रों की एसोसिएशन का गठन किया जाएगा। इसके लिए उनका रजिस्ट्रेशन होगा। पूर्व छात्रों की फीडबैक लेने के साथ ही गुजविवि प्रशासन उनका समय-समय पर सम्मान करेगी।

गुजविवि वी.सी. प्रो. टंकेश्वर कुमार।

गौरतलब है कि गुजविवि वी.सी. प्रो. टंकेश्वर कुमार ने करीब डेढ़ माह पहले कार्यभार संभालने पर पूर्व छात्रों के लिए एसोसिएशन बनाने की बात कही थी ताकि विवि के छात्र किसी तरह वापस अपने शैक्षणिक संस्थान से किसी न किसी तरह जुड़े रहें। पूर्व छात्रों के सुझावों का सम्मान करते हुए विवि प्रशासन आगे की कार्ययोजना तैयार करेगा। एक अन्य सवाल पर वी.सी. ने कहा कि विवि में हाल ही में हरियाणवी संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी में छात्रों के जुड़ाव को देखते हुए वह जल्द ही विवि कैम्पस में एक कार्यक्रम करवाएंगे। यह कार्यक्रम बड़े स्तर पर होगा ताकि स्टूडैंट्स का हरियाणवी साहित्य व संस्कृति से जुड़ाव बना रहे। उन्होंने कहा कि हरियाणवी संस्कृति पर प्रदर्शनी का जबरदस्त रिस्पोंस मिला है।

पंजाब केसरी हिसार 4/12/15

विकास के लिए डिजिटल तकनीक जरूरी

- कंप्यूटर लैब के उद्घाटन के मौके पर कुलपति ने रखे विचार
- बोले-वीडियो लेक्चर की भी करेंगे व्यवस्था

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि दुनिया डिजिटल युग में प्रवेश कर चुकी है। बदलते दौर में विकास की दौड़ में बने रहने के लिए जरूरी है कि डिजिटल तकनीक का भरपूर उपयोग किया जाए व इसका लाभ उठाया जाए। वह बुधवार को दूरस्थ शिक्षा निदेशालय में स्थापित की गई कंप्यूटर लैब के उद्घाटन के बाद अपना संबोधन कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान व निदेशक दूरस्थ शिक्षा डा. योगेश चाबा उपस्थित थे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस लैब का भरपूर प्रयोग किया जाएगा। विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के स्टाफ के प्रशिक्षण के लिए भी लैब का प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस लैब में विद्यार्थियों के लिए कोर्स से संबंधित वीडियो लेक्चर भी चलाए जाएंगे। विद्यार्थियों को लैब के माध्यम से और अधिक बेहतर शिक्षा दी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि यह लैब विद्यार्थियों व स्टाफ के कौशल को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। इससे स्टाफ की कार्यक्षमता बढ़ेगी जिसका विश्वविद्यालय व विद्यार्थियों को भी फायदा होगा। उन्होंने लैब की स्थापना के लिए निदेशालय को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने कहा कि दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय का विश्वविद्यालय के विकास में भारी योगदान है। निदेशालय लगातार हाईटैक हो रहा है। विद्यार्थियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। निदेशालय की आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है।

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. योगेश चाबा ने कहा कि यह लैब डिस्टेंस एजुकेशन काउंसिल के अनुदान से स्थापित की गई है। निदेशालय में 16 कोर्सों में शिक्षा दी जा रही है। ये सभी कोर्स विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदित हैं। निदेशालय 1997 में चार कोर्सों के साथ शुरू हुआ था। इस वर्ष अब तक दूरस्थ शिक्षा निदेशालय में 9635 विद्यार्थी दाखिला ले चुके हैं जबकि दाखिला लेने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर है। 2013-14 के सत्र में यह संख्या 4705 तथा 2014-15 के सत्र में 7060 थी। यह लैब निदेशालय के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक सुरेश शर्मा, निदेशक आइक्यूएसी प्रो. नीरज दिलबागी, कंप्यूटर सेंटर के हेड मुकेश कुमार व विभाग के स्टाफ उपस्थित थे।

गुजविवि में कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन करते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

दैनिक जागरण 10/12/15

पूरी तरह ऑनलाइन होंगे पीएचडी के दाखिले

आवेदन से लेकर एडमिट कार्ड तक होंगे ऑनलाइन, 4 जनवरी को होगी परीक्षा

प्रोस्पेक्टस भी ऑनलाइन मिलेगा

18 विभागों की 90 सीटों के लिए होगी परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी इस बार पीएचडी के दाखिले पूरी तरह ऑनलाइन करेगी। यूनिवर्सिटी ने प्रोस्पेक्टस भी प्रिंट करवाने की बजाय उसे भी वेबसाइट पर डाल दिया है। यूनिवर्सिटी में ऐसा पहली बार होगा जब पीचएडी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। इसके लिए आवेदकों को जीजेयूएसटीडॉटएसीडॉटइन वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फार्म भरना होगा। पीएनबी में चालान की राशि जमा करवानी होगी। जीजेयू के 18 विभागों में पीएचडी की 90 सीटों के लिए 4 जनवरी को एग्जाम होगा। जिसके लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

वेबसाइट से ही मिलेंगे एडमिट कार्ड

योग्य उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन करने के बाद 29 दिसंबर तक चालान की राशि जमा करवानी होगी। इसके बाद 1 जनवरी तक ऑनलाइन फार्म जमा होंगे। 4 जनवरी को एग्जाम होगा जबकि 8 जनवरी से रजिस्ट्रेशन स्टार्ट कर दिए जाएंगे। खास बात यह है कि चालान भरने के बाद ही पूरा फार्म सब्मिट होगा और उसके बाद ही एडमिट कार्ड मिलेंगे। जीजेयू के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस बार सारी प्रक्रिया ऑनलाइन रहेगी। प्रोस्पेक्टस न छपवाकर यूनिवर्सिटी ने करीब पचास हजार कागज छपने से बचा लिए हैं। जो पर्यावरण प्रदूषण रोकने तथा डिजिटल इंडिया की दिशा में सार्थक कदम है।

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ऑन लाइन पीएचडी दाखिले की बेव साइट को लांच करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कंप्यूटर सेंटर की टीम ने बनाया प्रोसेस

पीएचडी के दाखिला की ऑनलाइन प्रोसेस के लिए यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर सेंटर में ही सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। कम्प्यूटर सेंटर के हेड मुकेश कुमार के नेतृत्व में दर्पण सलूजा, रामविकास व भारत भूषण के अतिरिक्त रजिस्ट्रेशन शाखा के राजबीर मलिक, देवेंद्र सिंह व महेंद्र सिंह ने भी सहयोग किया। कुलपति ने कहा कि ऑनलाइन प्रोसेस और प्रिंटिंग में बराबर समय लगना था। इसलिए ऑनलाइन प्रोसेस को प्राथमिकता दी गई है।

और भी कई प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

कुलपति टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यूनिवर्सिटी में और भी कई प्रोजेक्टस पर काम चल रहा है। इसमें ग्लोबल इनिसिएटिव टू एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) प्रोजेक्ट पर विशेष प्रयास चल रहे हैं। साथ ही एकेडमिक लीडर व परस्यूइंग स्कूल प्रोग्राम पर काम होगा। ज्ञान प्रोजेक्ट के तहत इंटरनेशनल फैकल्टी को यूनिवर्सिटी में बुलाकर कोर्सेज चलवाए जाएंगे। वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु द्वारा राहगीरी के सुझाव पर उन्होंने कहा कि अभी एग्जाम का समय था। इसलिए जनवरी या फरवरी में राहगीरी पर काम करेंगे। इस दौरान कुलसचिव एमएस तुरान व अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

अमर उजाला 11/12/15

गुजवि के डीन प्रो. बीएस खटकड़ को मिला अवार्ड

- खाद्य विज्ञान एवं तकनीक में अनेक शोध किए

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि के फैकल्टी ऑफ इन्वायर्नमैंटल एंड बायोसाईसिंज एंड टैक्नॉलोजी के डीन प्रो. बीएस खटकड़ को खाद्य विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए ऐसोसिएशन ऑफ फूड साईंटिस्ट एंड टैक्नोलोजिस्ट इंडिया द्वारा लालजीगोधू स्मारक निधि अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन्हें प्रभानी, महाराष्ट्र में हुई 24वीं इंडियन कन्वेंशन ऑफ फूड साईंटिस्ट एंड टैक्नोलोजिस्ट में दिया गया। प्रो. खटकड़ ने खाद्य विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण शोध किए हैं। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने उन्हें बधाई दी है।

प्रो. खटकड़ कॉमन वेल्थ स्कॉलरशिप अवार्ड के अतिरिक्त अमेरिकन ऐसोसियेशन ऑफ सीरील केमिस्ट, यूएसए, आईसीएफपी, मलेशिया व एएफएसटी, मैसूर द्वारा बेस्ट पेपर अवार्ड मिल चुके हैं। उन्हें रिसर्च बोर्ड ऑफ एडवाइजर्स ऑफ अमेरिकन बायोग्राफिकल इन्स्टी यूट, यूएसए के लिए तथा एबीआई, यूएसए द्वारा मेन ऑफ इयर 2003 के लिए भी मनोनीत किया गया है। प्रो. खटकड़ ने दूध में यूरिया की मिलावट, उच्च ताप प्रक्रिया के दौरान तिल के बीज के भूरापन को रोकने, टोफू के रंग में सुधार करने, ताजा फलों और सब्जियों को लम्बे समय तक रखने के लिए एडिबल कोटिंग आदि अनेक पेटेंटेबल तकनीकें व प्रक्रियाएं विकसित की हैं।

25/12/15

गुजवि में की गई परीक्षा संबंधी शिकायत निवारण सैल की स्थापना

हिसार. गुजवि में परीक्षा संबंधी शिकायत निवारण सैल का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। साथ में हैं विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान एवं अन्य।

हिसार/28 दिसंबर/रिपोर्टर

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में परीक्षा संबंधी शिकायतों का अब तुरन्त समाधान होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रण शाखा में परीक्षा संबंधी शिकायत निवारण सैल स्थापित की गई है। सैल का उद्घाटन आज कुलपति के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान भी उपस्थित थे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि इस समय गुड गवर्नेंस सप्ताह मनाया जा रहा है जिसका उद्देश्य कार्यों का तेजी से निपटारा करना है। विद्यार्थियों के लिए परीक्षा तथा उसका परिणाम सबसे महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में विश्वविद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थियों को परीक्षा तथा उसके परिणाम से सम्बंधित कोई परेशानी न आए ताकि समय पर परीक्षा परिणाम प्राप्त करके विद्यार्थी अपने रोजगार के लिए आगे बढ़ सकें।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सैल को स्थापित करने का उद्देश्य परीक्षा सम्बंधी शिकायतों को तुरन्त निपटाने के साथ-साथ गुड गवर्नेंस को भी बढ़ावा देना भी है। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत ई-मेल से दर्ज करा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सैंटर के हैड मुकेश अरोड़ा, परीक्षा नियंत्रक सुरेश शर्मा, कुलपति द्यचिव सुन्दरलाल सैनी, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

नभछोर 28/12/15

नारी सशक्तीकरण : गुजवि ने बढ़ाया बेटियों का मान

गुजवि की शैक्षणिक परिषद की बैठक में मौजूद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

- विवाहित छात्राएं ले सकेंगी कोर्स के दौरान मातृत्व अवकाश
- बेटी वाले परिवार के लिए एक अतिरिक्त सीट का प्रावधान किया

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में दो अहम फैसले लिए है। इसके तहत अब विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को भी मातृत्व अवकाश मिलेगा और दूसरा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदित कोर्सों में एक अतिरिक्त सीट का प्रावधान करना है। यह फैसले विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 47वीं बैठक में लिए गए। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने किया। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर देना हम सबकी जिम्मेदारी है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने कहा कि ये निर्णय महिला शिक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। शैक्षणिक परिषद की बैठक में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को और मजबूती देने के लिए निर्णय लिया गया कि विवाहित छात्राएं भी अब अपने कोर्स के दौरान 45 दिन का मातृत्व अवकाश प्राप्त कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त केवल एक या दो बेटियों के मां-बाप के लिए भी स्वागत योग्य निर्णय शैक्षणिक परिषद की बैठक में लिया गया। जिस माता-पिता की केवल एक या दो बेटियां हैं और उनका बेटा नहीं है। ऐसी एक बेटी के लिए यूजीसी से अनुमोदित कोर्स में एक अतिरिक्त सीट का प्रावधान किया है। यदि पात्र दो हैं तो भी यह लाभ केवल एक ही लड़की को मिलेगा। इसके अतिरिक्त बैठक में 45 शोधार्थियों को पीएचडी अवार्ड की गई और 135 पंजीकरण हुए।

बैठक में महानिदेशक तकनीकी शिक्षा के मनोनीत सदस्य निदेशक तकनीकी शिक्षा डा. यशपाल सिंह बेरवाल, एनआइटी कुरूक्षेत्र के भूतपूर्व निदेशक प्रो. एनपी महता, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर से प्रो. मंजू बाला, एचपी यूनिवर्सिटी शिमला से प्रो. सुदेश कुमार गर्ग, विश्वविद्यालय के प्रो. बीएस खटकड़, प्रो. आरके गुप्ता, प्रो. ऊषा अरोड़ा, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. धर्मेन्द्र कुमार, प्रो. हरभजन बंसल, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. अशोक चौधरी, प्रो. डीसी भट्ट, डा. संदीप कुमार आर्य, डा. उमेश आर्य, अंजन कुमार बराल, डा. मनीष अहुजा, डा. नमिता सिंह, डा. टीका राम, कपिल कुमार, अरोहित गोयत, डा. अनिल कुमार, डा. दीपा मंगला, डा. सतबीर, डा. एसएस जोशी व सुरेश शर्मा उपस्थित थे।

दैनिक जागरण 29/12/15

छात्राओं को मिलेगी मैटरनिटी लीव

जीजेयू ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में लिया फैसला

हिसार, 29 दिसम्बर (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत स्वागत योग्य कदम उठाएं हैं। विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को भी अब मातृत्व अवकाश मिल सकेगा। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 47वीं बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी गौरवपूर्ण उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। ऐसे में महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर देना हम सबकी जिम्मेदारी है। भारत सरकार तथा राज्य सरकारें भी इस दिशा में प्रशंसनीय कदम उठा रही हैं। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान ने किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान ने कहा कि ये निर्णय महिला शिक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। शैक्षणिक परिषद की बैठक में 'बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ' के अभियान को और अधिक मजबूती देने के लिए यह निर्णय लिया गया कि विवाहित छात्राएं भी अब अपने कोर्स के दौरान 45 दिन का मातृत्व अवकाश प्राप्त कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त केवल एक या दो बेटियों के मां-बाप के लिए भी स्वागत योग्य निर्णय शैक्षणिक परिषद की बैठक में लिया गया। जिस माता-पिता की केवल एक या दो बेटियां हैं और उनका बेटा नहीं है। ऐसी एक बेटी के लिए विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदित कोर्सों में एक अतिरिक्त सीट का प्रावधान किया है। यदि लड़कियां दो हैं तो यह लाभ केवल एक ही लड़की को मिलेगा। इसके अतिरिक्त बैठक में 45 शोधार्थियों को पीएचडी अवार्ड की गई तथा 135 पंजीकरण हुए। बैठक में महानिदेशक तकनीकी शिक्षा के मनोनीत सदस्य निदेशक तकनीकी शिक्षा डा. यशपाल सिंह बेरवाल, एनआईटी कुरूक्षेत्र के भूतपूर्व निदेशक प्रो. एन.पी. महता, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर से प्रो. मंजू बाला, एच.पी. यूनिवर्सिटी शिमला से प्रो. सुदेश कुमार गर्ग, विश्वविद्यालय के प्रो. बी.एस. खटकड़, प्रो. आर.के. गुप्ता, प्रो. ऊषा अरोड़ा, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. धर्मेन्द्र कुमार, प्रो. हरभजन बंसल, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. अशोक चौधरी, प्रो. डी.सी. भट्ट, डा. संदीप कुमार आर्य, डा. उमेश आर्य, अंजन कुमार बराल, डा. मनीष अहुजा, डा. नमिता सिंह, डा. टीका राम, कपिल कुमार, अरोहित गोयत, डा. अनिल कुमार, डा. दीपा मंगला, डा. सतबीर, डा. एस.एस. जोशी व सुरेश शर्मा उपस्थित थे।

पाठक पक्ष 29/12/15

इकलौती बेटी के लिए एक सीट पर ईसी की बैठक में भी मुहर

गुजवि की 71वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में लिए अहम फैसले

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि कार्यकारी परिषद ने एक बेटी के लिए विवि के यूजीसी अनुमोदित कोर्सों में एक अतिरिक्त सीट आरक्षित करने के फैसले को मंजूरी दे दी है। कार्यकारी परिषद की 71वीं बैठक कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विवि में पढ़ने वाली छात्राओं को जरूरत पड़ने पर 45 दिन का मातृत्व अवकाश देने के निर्णय पर भी मोहर लगा दी गई।

इसके अतिरिक्त विवि को एचआरडी मंत्रालय द्वारा 'ज्ञान कार्यक्रम' के लिए चुने जाने पर भी विवि की प्रशंसा की गई। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय ने विवाहित छात्राओं के लिए अपने कोर्स के दौरान 45 दिन का मातृत्व अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त जिस माता-पिता की केवल एक या दो बेटियां हैं और उनका बेटा नहीं है। ऐसी एक बेटी के लिए यूजीसी से अनुमोदित कोर्सों में एक सीट आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। यह सीट अनुमोदित सीटों के अतिरिक्त होगी।

एड एंड पीआर अब सीएमटी में शामिलः कार्यकारी परिषद की बैठक में विज्ञापन प्रबंधन एवं जनसंपर्क विभाग को संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग में शामिल करने की स्वीकृति भी दी गई है। गौरतलब है कि विज्ञापन प्रबंधन एवं जनसंपर्क विभाग में बीते कुछ वर्षों से सीटें भी पूरी नहीं भर पा रही थी। इसी तरह सीएमटी में भी इस वर्ष कुछ सीटें खाली रही। दोनों विभागों में 50-50 सीटें हैं। इस कारण विवि प्रशासन ने दोनों विभागों को एक करने का निर्णय ले रखा था, जिस पर ईसी की बैठक में मोहर लग गई। कार्यकारी परिषद की बैठक का संचालन कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने किया। बैठक में डा. एलसी गुप्ता, डा. एलएन गुप्ता, डा. जेए खान, केसी अरोड़ा, अतिरिक्त निदेशक तकनीकी शिक्षा डा. यशपाल सिंह बेरवाल, प्रो. आरके गुप्ता, प्रो. ऊषा अरोड़ा, प्रो. दिनेश चुटानी, प्रो. धर्मेंद्र कुमार, प्रो. देवेंद्र मोहन, डा. धर्मेंद्र कुमार व डा. सुनील कुमार उपस्थित थे।

डा. वीके गर्ग बने प्रोफेसर

ईसी की बैठक में पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के डा. वीके गर्ग की प्रोफेसर के रूप में तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के डा. युद्धवीर सिंह की ऐसोसिएट प्रोफेसर के रूप नियुक्ति को स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त पंजाब विवि चंडीगढ़ के बायोटेक्नॉलोजी विभाग के डा. वीके जिंदल व कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र के भूतपूर्व प्रोवाइस चांसलर एवं जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी गूना के डीन रिसर्च प्रो. डीएस हुड्डा को ओनरेरी प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति की गई है।

हरिभूमि 30/12/15

गुजवि के विद्यार्थी सीखेंगे शतरंज और तीरंदाजी

खेल विभाग जल्द शुरु करेगा चैस और आर्चरी गेम

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि में इंडोर स्पोर्टस को बढ़ावा दिया जाएगा। इसको लेकर विवि में जल्द ही तीरंदाजी और शतरंज जैसे गेम आरंभ किए जाएंगे। जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी स्पोर्टस में जुड़ सकें। तकनीकी विवि होने के चलते इंडोर गेम्स में विद्यार्थी रुचि लें, इसको लेकर खेल विभाग खाका तैयार कर रहा है।

खेल विभाग पहले आर्चरी और चैस का सामान खरीद करेगा। इसको लेकर एस्टीमेट तैयार कर भेजा जा रहा है। खरीद होने के बाद खेल विभाग आर्चरी के लिए रेंज तैयार करेगा। जहां 30 से 50 मीटर तक निशाने लगाए जा सकेंगे। जबकि शतरंज को भी शुरु किया जाएगा। इन दोनों खेलों को विवि ईंटर कॉलेज में भी शामिल किया जाएगा। चैस और आर्चरी शुरु करने के लिए विवि को ज्यादा बजट की भी जरुरत नहीं पड़ेगी। इसलिए इन गेम्स को जल्द से जल्द शुरु किया जा सकेगा।

चैस बोर्ड की खरीद के बाद इनको हॉस्टलों में भी रखा जाएगा। जिससे हॉस्टलर्स इस गेम में रुचि दिखाएं। इससे वे स्टूडेंटस भी गेम्स में आगे आएंगे, जो पढ़ाई के चलते अपना ज्यादा समय ग्राउंड पर नहीं दे सकते। हॉस्टल पहुंचने के बाद विद्यार्थी आसानी से यह गेम खेल सकते हैं। इससे वे स्पोर्टस में भी आगे बढ़ पाएंगे। गुजवि में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल का निर्माण भी किया जाएगा। इसको लेकर यूजीसी से भी विवि को ग्रांट मिल चुकी है। यह स्विमिंग पूल अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा। स्विमिंग पूल बनने के बाद विवि में तैराकी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा विवि के पास टेनिस ग्राउंड है। इस गेम में भी खिलाड़ियों को आगे बढ़ाया जाएगा।

योजना बनाई है : लूथरा

गुजवि के खेल निदेशक एसबी लूथरा ने बताया कि इंडोर गेम्स को बढ़ावा दिया जाएगा। चैस और आर्चरी शुरु करने की योजना है। जिससे ग्राउंड में समय न दे पाने वाले विद्यार्थी भी खेलों में आगे बढ़ सकें।

हरिभूमि 31/12/15